>

Title: Need to increase the frequency of train between Mahua and Surat and extend it up to Mumbai.

श्री नारनभाई कछाड़िया (अमरेली): महोदय, गुजरात के अमरेली जिले में आजादी के 62 साल बाद भी वहां के रेल मार्ग मीटरगेज एवं ब्रॉड गेज के रूप में पड़े हुए हैं, जबकि अमरेली जिले में औद्योगिक विकास की गति काफी तेज है और वीडियोकोन, अम्बुजा, अल्ट्राटेक, पावर प्लाण्ट जैसे उद्योग यहां स्थापित हैं। मत्स्य और डायमंड इंडस्ट्री ने गुजरात में अमरेली सहित कुछ जिलों में औद्योगिक क्रान्ति ला दी है, जिससे गुजरात के अमरेली जिले में औद्योगिक विकास के साथ व्यापारियों के आवागमन में तेजी से वृद्धि हुई है और प्रतिदिन हजारों डायमंड मजदूर एवं अन्य मजदूर अहमदाबाद, सूरत, राजकोट, भावनगर जैसे शहरों में अपनी रोजी-रोटी के लिए रोज आवागमन करते हैं और अभी मुख्य रूप से एक ही ट्रेन महुआ-सूरत है, वह भी सप्ताह में एक दिन ही चलती है और उसे भी बन्द कराने की बात हो रही है। जनता से प्राइवेट बस वाले मनमाने पैसे लेते हैं और लोगों को परेशान करते हैं। रेलवे की सुविधा न होना वहां की एक मूलभूत समस्या है। यहां मैं रेल मंत्रालय को स्मरण दिलाना चाहूंगा कि रेलवे में इतना भारी यातायात होने के बावजूद भी यहां रेलवे का विकास नहीं हो रहा है, जिससे यहां भारी राजस्व की क्षति हो रही है।

मैं यहां रेलवे मंत्रालय से निवेदन करना चाहूंगा कि महुआ-सूरत ट्रेन को बन्द करने के बजाय उसे हफ्ते में तीन बार चलाया जाये और उसे मुम्बई तक चलाया जाये, ताकि जनता को आने-जाने की समस्या में कुछ हद तक राहत मिल सके।